

27/05/24 फरावली पैम दुकी आ का सुन  
 राय को प जाली से व्यस्त घेनी ल  
 फरावली डि 10/07/24 को पैम धी

12/05/24

पसावली पैम दुकी धाधा स्विय एव  
 उनके क्विक्वला अनुपरिचित विधिवत  
 माथालप कोर स्वय - स्वक कर तीवण  
 भावाजे लगवतु गदि के उपरान्त जी प्राप्ति  
 स्वयं को कुक्क क्विक्वला अनुपरिचित  
 कोने से धाधी का शपथो पर कडक कडगी  
 कडक पैरवी के स्वगीज किया जाता है

पसावली के साल कुमाल  
 कोक नम्बर से कम कीजकर  
 फकल करिवल धो

2000-01-15

*[Faint, mostly illegible text in the bottom section of the page, possibly bleed-through or very light handwriting.]*